

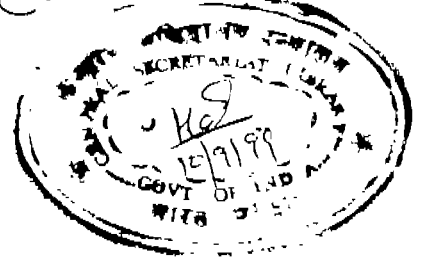


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 173]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 3, 1999/चैत्र 13, 1921

No. 173]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 3, 1999/CHAITRA 13, 1921

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1999

का.आ. 225(अ).— यतः, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा {अब से उन्हें पन०प्ल०पफ०टी० के रूप में जाना जाए} का स्पष्ट लक्ष्य अन्य सशस्त्र अलगाववादी संगठनों के सहयोग और सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से त्रिपुरा को भारत से अलग करके स्वतंत्र "बोरोक्लैण्ड प्रेक्चर" की स्थापना करना तथा अलगाव के लिए त्रिपुरा के स्थानीय लोगों को भड़काना है, जिससे त्रिपुरा को भारत से अलग किया जा सके ।

और यतः केन्द्र सरकार का मत है कि पन०प्ल०पफ०टी०:-

{i} अपने लक्ष्य के अनुसरण में विद्रोही तथा हिंसक गतिविधियों में लिप्त है एवं इस प्रकार उसने सरकार के प्राधिकार को क्षति पहुंचाई है तथा लोगों में डर व आतंक फैलाया है,

{ii} नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैण्ड {पन०प्ल०सी०पन० {आई०/एम०} के इसकी स्वरूप गुट जैसे अन्य विधि विरुद्ध संगठनों के साथ संपर्क बनाए है जिसका लक्ष्य उनका समर्थन हासिल करना है ।

§iii§ हाल के पिछले कुछ समय में अपने उद्देश्य एवं लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कई हिंसक, तथा विधि विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त रही है जो कि भारत की प्रभुसत्ता तथा एकता के लिए हानिकर है ।

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह भी मत है कि हिंसक एवं विधि विरुद्ध गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल है:

- §क§ नागरिकों तथा पुलिस एवं सुरक्षा बलों के कर्मियों की हत्या,
- §ख§ त्रिपुरा में व्यवसायियों एवं व्यापारियों सहित जनता से जबरन धन छेड़ना,
- §ग§ असमाजिक एवं अविधेय माध्यमों से भारी मात्रा में परिष्कृत शस्त्र व गोलाबारूद जुटाना तथा उन्हें गुप्त रूप से पड़ोसी देश के माध्यम से भारत में लाना,
- §घ§ सुरक्षित आश्रय, प्रशिक्षण, शस्त्र व गोलाबारूद आदि जुटाने के प्रयोजन के लिए पड़ोसीदेश में शिविर स्थापित करना तथा उन्हें बनाए रखना,
- §ङ.१§ त्रिपुरा में जनजातीय एवं गैर जनजातीय समुदायों के बीच साम्प्रदायिक संघर्ष उत्पन्न करने एवं उनमें वृद्धि करने के लिए अन्य त्रिपुरा जनजातीय संगठनों के साथ संबंध स्थापित करना और उन्हें बनाए रखना ।

और यतः केन्द्र सरकार का मत है कि एन०एफ०एफ०टी० की उपरोक्त गतिविधियां भारत की प्रभुसत्ता एवं अखण्डता विरोधी हैं तथा यह एक विधि विरुद्ध संगम है,

अतः अब विधि विरुद्ध क्रियाकलाप §निवारण§ अधिनियम, 1967 §1967 का 37§ की धारा 3 की उपधारा §1§ के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार प्लव्द द्वारा नेशनल लिबरेशन फ्रन्ट ऑफ त्रिपुरा §एन०एफ०एफ०टी०§ को एक विधि विरुद्ध संगम घोषित करती है ।

और यतः केन्द्र सरकार का यह भी मत है कि यदि इस पर तत्काल नियंत्रण न किया गया तो एन०एल०एफ०टी० को अवसर मिलेगा कि वह:-

- § i § अपने फौजों की अलगाववादी, विद्रोही, आतंकवादी/हिंसक गतिविधियाँ बढ़ाएगी,
- § ii § गृह मंत्रालय भारत की प्रमुख शक्ति शस्त्रीय अलगावता के विरुद्ध शक्तियों के साथ सहयोग करके राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का प्रचार करेगी,
- § iii § नागरिकों तथा पुलिस व सुरक्षा बलों के कार्मिकों की हत्याओं में वृद्धि में लिप्त हो जाएगी,
- § i i § अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पार से और अधिक गैर कानूनी हथियार एवं गोलाबारूद प्राप्त करने तथा जुटाने में लिप्त हो जाएगी,
- § i / § गतिविधियों के लिए जनता से बड़ी राशि इकट्ठा करने तथा जबरन धन पेंठने में लिप्त हो जाएगी ।

और यतः उपरोक्त परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में केन्द्र सरकार की पक्की राय है कि एन०एल०एफ०टी० को तत्काल प्रभाव से एक विधि विरुद्ध संगम घोषित करना आवश्यक है, और तदनुसार उक्त खण्ड-3 की उपधारा-3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार प्रावृत्त निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा-4 के अंतर्गत किए जाने वाले किसी भी अध्यादेश के अध्यापन, यह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगी ।

[फा. सं. 9/26/98-एन. १]

जी. के. पिल्ले, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd April, 1999

S.O. 225E).—Whereas the National Liberation Front of Tripura (hereinafter referred to as NLFT) has its professed aim to establish an independent “Borokland Twipra” by liberation of Tripura from India through armed struggle in alliance with other armed secessionist organisations of Tripura and incite indigenous people of Tripura, for secession and thereby the secession of Tripura from India;

And whereas the Central Government is of the opinion that NLFT has-

- (i) been engaging in subversive and violent activities, thereby undermining the authority of the Government and spreading terror and violence among the people for achieving its objective;
- (ii) established linkages with other unlawful associations, viz., the Isak Swu faction of National Socialist Council of Nagaland [NSCN(I/M)] with the aim of mobilising their support;
- (iii) in pursuance of its aim and objective in the recent past, engaged in several violent and unlawful activities which are prejudicial to the sovereignty and integrity of India;

And whereas the Central Government is also of the opinion that violent and unlawful activities include-

- (a) killing of civilians and personnel belonging to the Police and Security Forces;
- (b) extortion of funds from the public including businessmen and traders in Tripura;
- (c) procuring large number of arms and ammunition, including sophisticated ones, through clandestine/illegal channels and inducting them secretly into Tripura through a neighbouring country;
- (d) establishing and maintaining camps in a neighbouring country for the purpose of safe sanctuary, training procurement of arms and ammunition, etc.,
- (e) establishing and maintaining linkages with other Tripura tribal extremist groups for causing and fomenting communal clashes between the tribal and non-tribal communities in Tripura;

And whereas the Central Government is of the opinion that the aforesaid activities of the NLFT are detrimental to the sovereignty and integrity of India and that it is an unlawful association;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the National Liberation Front of Tripura (NLFT) as an unlawful association;

And whereas the Central Government is also of the opinion that if there is no immediate curb and control, the NLFT will take the opportunity to-

- (i) mobilise its cadres for escalating its secessionist, subversive and terrorist/violent activities;
- (ii) propagate anti-national activities in collusion with forces inimical to India's sovereignty and national integrity;
- (iii) indulge in increased killings of civilians and targetting of Police and Security Forces personnel;
- (iv) procure and induct more illegal arms and ammunition from across the international border;
- (v) extort and collect huge funds from the public for its activities.

And whereas the Central Government, having regard to the above circumstances, is of the firm opinion that it is necessary to declare the NLFT as an unlawful association with immediate effect; and accordingly in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of the said section 3, the Central Government hereby directs that the notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 9/26/98-NE-I]

G. K. PILLAI, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1999

का.आ. 226(अ).—यतः आल त्रिपुरा दशगर फ़ोर्स जिससे इसके पश्चात एनटीटीएफओ कहा गया है का स्पष्ट लक्ष्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के अथवा राशत्र अलगवादी संगठनों के सहयोग से, त्रिपुरा, असम, मणिपुर, मिजोरम, नागालैण्ड, मेघालय तथा अस्साचल प्रदेश को शामिल करके सात प्रदेशों के एक पृथक् राष्ट्र की स्थापना करना, जिससे उक्त राज्य भारत से अलग हो सकें तथा इन राज्यों को भारत संघ से अलग करने के लिए सशस्त्र संघर्ष को जारी रखना है और इस प्रकार इन राज्यों को भारत से अलग करना है ।

और यतः केन्द्र सरकार का मत है कि ए० टी० टी० एफ० :-

- § i § अपने लक्ष्य के अनुसरण में विद्रोही तथा हिंसक गतिविधियों में लिप्त है एवं इस प्रकार उसने सरकार के प्राधिकार को क्षति पहुंचाई है तथा लोगों में डर व आतंक फैलाया है,
- § ii § यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम {उल्फा} और मणिपुर के मैतयी उग्रवादी गुटों जैसे अन्य विधि विरुद्ध संग्रमों के साथ संपर्क बनाए हैं जिससे तथा उनके समर्थन हासिल करना है ।
- § iii § हाल के पिछले कुछ समय में अपने उद्देश्य एवं लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कई हिंसक तथा विधि विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त रही है जो कि भारत की प्रभुसत्ता तथा एकता के लिए हानिकर है ।

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह भी मत है कि हिंसक एवं विधि विरुद्ध गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल है:

गृह मंत्रालय

- § क § नागरिकों तथा पुलिस एवं सुरक्षा बलों के कर्मियों की हत्या,
- § ख § त्रिपुरा में व्यवसायियों एवं व्यापारियों, सहित जनता से जबरन धन चूटना,
- § ग § गुप्त एवं अवैध माध्यमों से भारी मात्रा में अत्याधुनिक शस्त्र व गोलाबारूद प्राप्त करना तथा उन्हें गुप्त रूप से पड़ोसी देश के माध्यम से त्रिपुरा में लाना,
- § घ § सुरक्षित आश्रय, प्रशिक्षण, शस्त्र व गोलाबारूद आदि जुटाने के प्रयोजन के लिए पड़ोसी देश में शिविर स्थापित करना तथा उन्हें बनाए रखना,
- § ङ • § त्रिपुरा में जनजातीय एवं गैर जनजातीय समुदायों के बीच साम्प्रदायिक संघर्ष उत्पन्न करने एवं उनमें वृद्धि करने के लिए अन्य त्रिपुरा जनजातीय संगठनों के साथ संबंध स्थापित करना और उन्हें बनाए रखना ।

और यतः केन्द्र सरकार का मत है कि ए०टी०टी०एफ० की उपरोक्त गतिविधियाँ भारत की प्रभुसत्ता एवं अखण्डता विरोधी हैं तथा यह एक विधि विस्द संगम है,

अतः अब विधि विस्द क्रियाकलाप §निवारण§ अधिनियम, 1967 §1967 का 37§ की धारा 3 की उपधारा §1§ के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार प्स्ताद्वारा ए०टी०टी०एफ० को एक विधि विस्द संगम घोषित करती है।

और यतः केन्द्र सरकार का यह भी मत है कि यदि इस पर तत्काल नियंत्रण न किया गया तो ए०टी०टी०एफ० को अवसर मिलेगा कि वह:-

§i§ अपने कौंडर की अलगाववादी, विद्रोही, आतंकवादी/हिंसक गतिविधियाँ बढ़ाएगी,

गृह मंत्रालय

§iii§ भारत की प्रभुसत्ता एवं राष्ट्रीय अखण्डता के विरुद्ध शक्तियों के साथ सहयोग करके राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का प्रसार करेगी,

§iii§ नागरिकों तथा पुलिस व सुरक्षा बलों के कर्मियों की हत्याओं में युद्ध में लिप्त हो जाएगी,

§ii/§ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर से और अधिक गैर कानूनी हथियार एवं गोलाबारूद प्राप्त करने तथा गुटने में लिप्त हो जाएगी,

§i/§ गतिविधियों के लिए जनता से बड़ी राशि झकूटा करने तथा जबरन धन छेड़ने में लिप्त हो जाएगी।

और यतः उपरोक्त परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में केन्द्र सरकार की पक्की राय है कि ए०टी०टी०एफ० को तत्काल प्रभाव से एक विधि विस्द संगम घोषित करना आवश्यक है, और तदनुसार उक्त खण्ड-3 की उपधारा-3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार प्स्ताद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा-4 के अंतर्गत किए जाने वाले किसी भी अध्यादेश के अधीन, यह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. 9/26/98-एन. ई-1]

जी के पिल्ले, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd April, 1999

S.O. 226(E).— Whereas the All Tripura Tiger Force (hereinafter referred to as ATTF) has its professed aim, the formation of a separate Nation of seven sisters comprising Tripura, Assam, Manipur, Mizoram, Nagaland, Meghalaya and Arunachal Pradesh resulting in bringing about the secession of the said States from India, in alliance with other armed secessionist organisations of the North East region and to carry on armed struggle for separation of these States from India and thereby secession of these States from India:

And whereas the Central Government is of the opinion that ATTF has-

- (i) been engaging in subversive and violent activities, thereby undermining the authority of the Government and spreading terror and violence among the people for achieving its objective;
- (ii) established linkages with other unlawful associations, viz., the United Liberation Front of Assam (ULFA) and the Meitei extremist outfits of Manipur with the aim of mobilising their support;
- (iii) in pursuance of its aim and objective in the recent past, engaged in several violent and unlawful activities which are prejudicial to the sovereignty and integrity of India;

And whereas the Central Government is also of the opinion that violent and unlawful activities include-

- (a) killing of civilians and personnel belonging to the Police and Security Forces;
- (b) extortion of funds from the public including businessmen and traders in Tripura;
- (c) procuring large number of arms and ammunition, including sophisticated ones, through clandestine/illegal channels and inducting them secretly into Tripura through a neighbouring country;
- (d) establishing and maintaining camps in a neighbouring country for the purpose of safe sanctuary, training, procurement of arms and ammunition, etc.,
- (e) establishing and maintaining linkages with other Tripura tribal extremist groups for causing and fomenting communal clashes between the tribal and non-tribal communities in Tripura;

And whereas the Central Government is of the opinion that the aforesaid activities of the ATTF are detrimental to the sovereignty and integrity of India and that it is an unlawful association;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the National Liberation Front of Tripura (ATTF) as an unlawful association;

And whereas the Central Government is also of the opinion that if there is no immediate curb and control, the ATTF will take the opportunity to-

- (i) mobilise its cadres for escalating its secessionist, subversive and terrorist/violent activities;
- (ii) propagate anti-national activities in collusion with forces inimical to India's sovereignty and national integrity;
- (iii) indulge in increased killings of civilians and targetting of Police and Security Forces personnel;
- (iv) procure and induct more illegal arms and ammunition from across the international border;
- (v) extort and collect huge funds from the public for its activities.

And whereas the Central Government, having regard to the above circumstances, is of the firm opinion that it is necessary to declare the ATTF as an unlawful association with immediate effect; and accordingly in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of the said section 3, the Central Government hereby directs that the notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 9/26/98-NE-I]

G. K. PILLAI, Jt. Secy.

